खम्मा घणी...!!

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर

नवंबर एवं दिसंबर-2022

॥ त्वं ज्ञानमयो विज्ञानमयोऽसि ॥

हिंदी में विभिन्न भाषाओं के शब्दों को अपनाने की अद्भुत क्षमता है। यही कारण है कि हिंदी सभी भाषाओं के मध्य संपर्क भाषा के रूप में स्वयं को स्थापित करने में कारगर रही है। हिंदी विश्व की समृध्द भाषाओं में अपना प्रमुख स्थान रखती है। संस्थान के निदेशक महोदय जी जो हिंदी की निरंतर वृध्दि के लिए दृढ़ निश्चयी हैं एवं उपनिदेशक महोदय की इस समाचार पत्रिका के प्रकाशन हेतु विशेष अभिरूचि हमें इस राह पर अग्रसर रहने हेतु प्रेरणस्पर्द रही। संस्थान में भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के कार्यों को उत्तरोतर बढावा दिया जा रहा हैं, तथा समय समय पर विभिन्न कार्यशालाऐं आयोजित की जा रही है। संस्थान के कार्मिकों को राजभाषा विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध विभिन्न ई-टूल्स, महाशब्दकोश इत्यादि से अवगत कराया जाता रहा है। साथ ही, इंटरनेट के युग में संस्थान के कार्मिक हिंदी स्वयं शिक्षण कार्यक्रमों से भी अपने हिंदी के ज्ञान में निरंतर वृध्दि कर रहे हैं, जिससे कार्यालयी कामकाज में हिंदी का प्रयोग अधिक से अधिक किया जा सकेगा। मुझे पूर्ण विश्वास है कि कि हम सभी हिंदी भाषा के माध्यम से इस उच्च लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रेरित होते रहेंगे और हिंदी को दैनिक कामकाज में अधिक से अधिक प्रयोग में लायेंगे |

डॉ. नितिन भाटिया (हिंदी अधिकारी)

निदेशक का सन्देश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को ध्यान में रखते हुए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर एक अद्वितीय शैक्षणिक अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। जो स्वतंत्र सोच के साथ-साथ शिक्षा और अनुसंधान को प्रोत्साहित करता है। संस्थान में पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में अंतःविषय के साथ-साथ वास्तविक जीवन की समस्याओं को हल करने तथा विज्ञान आधारित प्रौद्योगिकी शिक्षा पर जोर दिया जाता है। हम छात्रों के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित करते हैं। कक्षा के औपचारिक अकादमिक इंटरैक्शन के अलावा भी अंत: एवं बाह्य शैक्षणिक, औद्योगिक एवं सामाजिक डोमेन में विविध छात्र समूहों का समर्थन करने के लिए मजबूत आंतरिक प्रणाली तैयार की है।

संस्थान द्वारा प्रस्तावित नए पाठ्यक्रम भी छात्रों को विज्ञान आधारित इंजीनियरिंग नवाचारों की ओर ले जाने वाले एक उद्यमी पथ को आगे बढ़ाने के साथ-साथ दोहरी डिग्री वाले विशेषज्ञता कार्यक्रम में बदलने का अवसर प्रदान करते हैं। "खम्मा घणी " के इस अंक के सफल प्रकाशन के लिए शुभकामनाऐं देते हुए यह आशा करता हूं कि हम इसी प्रकार राजभाषा हिंदी के प्रति अपने दायित्वों का निष्ठापूर्ण निर्वाह करते हुए नई उपलब्धियों की प्राप्ति की ओर अग्रसर रहेंगे।

प्रो. शांतनु चौधुरी

उपनिदेशक के दो शब्द...

मुझे "खम्मा घणी" का नवीनतम अंक आपके समझ प्रस्तुत करने में अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। आप सभी यह जानते हैं कि हिंदी हमारी राजभाषा है जो देश को एक सूत्र में बांधती है। वर्तमान परिपेक्ष्य में देखा जाये तो अखंड भारत में एकता एवं सौहार्द का मार्ग प्रशस्त करने में हिंदी का अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में यह पत्रिका हिंदी के ज्ञान की संवाहक बनकर मार्ग प्रशस्त करने में सहायक होगी। आज हिंदी के विश्व की व्यापक एवं शसक्त भाषाओं की श्रेणी में होने पर हमें गर्व होना चाहिए। यह पत्रिका संस्थान में आयोजित किये जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, विभिन्न वार्ताओं इत्यादि को सारगर्भित किए हुए है। मेरी ओर से समाचार पत्रिका के इस अंक के लिए सभी को हार्दिक शुभकामनाऐं !

प्रो. संपत राज वडेरा

कुलसचिव की कलम से...

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान की समाचार पत्रिका के इस अंक के प्रकाशन को देखकर मुझे अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है। मुझे विश्वास है कि पाठकगण इस संस्करण से लाभान्वित होंगे तथा अपने सुझाव भी संपादक तक भेजेंगे, जिससे समाचार पत्रिका को अत्यंत ज्ञानवर्धक बनाने में सहायता मिलेगी एवं भविष्य में आने वाले अंकों का प्रस्तुतिकरण और अधिक अच्छे से किया जा सकेगा। हमारी समाचार पत्रिका का मुख्य उद्देश्य राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने के साथ-साथ अन्य भारतीय भाषाओं को भी जोड़ने का है जिससे हमारे कार्मिकों में इसकी स्वीकृति बढ़े। अत: आपसे इस पत्रिकी के माध्यम से अनुरोध है कि अपने कार्यालयों का अधिक से अधिक कार्य हिंदी में करें तथा सहकर्मियों को भी इसके लिए प्रेरित करें। मैं पत्रिका के इस अंक के लिए सबको हार्दिक शुभकामनाऐं देता हूं।

डॉ. हरिओम यादव

आफ़ताब 2022

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर द्वारा आयोजित वार्षिक साहित्य महोत्सव **"आफताब"** का 28 से 30 अक्टूबर 2022 को आयोजिन किया गया। आफताब साहित्य में रुचि रखने वाले लोगों के लिए एक मंच है। यह साहित्य के वैभव, विविधता और समावेशिता का उत्सव है। यह विभिन्न कॉलेजों, संस्कृतियों और पृष्ठभूमि के छात्रों के लिए एक मंच प्रदान करता है और यह सुनिश्चित करता है कि वे मंत्रमुग्ध करने वाले कवियों, प्रेरक लेखकों, आकर्षक साहित्यिक चर्चाओं और मौज-मस्ती की गतिविधियों से मंत्रमुग्ध रह जाएंगे। जिसमें ओपन माइक, बुक लॉन्च, क्विज़ , लाइव संगीत प्रदर्शन शामिल हैं। यह सभी को किसी भी माध्यम से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रदान करता है।

इस साल के आफताब की थीम कैलाइडोस्कोप्स: लिमिटलेस इरिडेसेंस टेलेस्टिक है। यह उत्सव की असीम पहुंच का एक अद्भुत प्रतिनिधित्व है, जो देश भर से प्रतिभाशाली प्रतिभाओं को एक साथ लाता है और उन्हें खुद को अभिव्यक्त करने, विविध शैलियों का पता लगाने और साहित्य के शानदार उत्सव में भाग लेने की अनुमति देता है। मार्गरेट एटवुड ने एक बार कहा था, "आखिर में, हम सब कहानियां बन जाएंगे।", इसलिए आफताब की टीम ने सबको आफताब-2022 की कहानी के सह-लेखक बनने के लिए आमंत्रित किया।

इस कार्यक्रम के निम्नलिखित प्रमुख आकर्षण रहे:

1. मिहिर वत्स (हजारीबाग के किस्से) और माज़ बिन बिलाल (टेम्पल लैंप, गज़लनामा: दिल्ली, बेलफास्ट और उर्दू की कविताएँ)के साथ प्रख्यात युवा लेखकों द्वारा संगोष्ठी और पुस्तक पर हस्ताक्षर।
2. प्रोफेसर माधव हाड़ा (मीरा बनाम मीरा) और प्रसिद्ध राजस्थानी लेखक शिव बोधि द्वारा पुस्तक चर्चा।
3. श्री सुशांत शर्मा, सदस्य, इप्टा द्वारा पटकथा लेखन कार्यशाला।
4. लघु विज्ञान कथा पुरस्कार विजेता लेखिका सुश्री मिमी मोंडल द्वारा साइंस फिक्शन और फ्यूचर्स के बारे में लेखन पर कार्यशाला।
5. लोकतंत्र स्कूल, मजदूर किसान शक्ति संगठन (**MKSS)** के सदस्यों द्वारा जन जागरूकता पैदा करने के लिए सार्वजनिक/क्षेत्रीय साहित्य का प्रदर्शन।
6. राजस्थान अभिनेता रंगमंच द्वारा रंगमंच प्रदर्शन।
7. अंग्रेजी और हिंदी वाद-विवाद, कविता और कहानी लेखन प्रतियोगिताएं।
8. पौराणिक कथाऐं और मेला क्विज़।
9. बस एक मिनट का भाषण, शब्दों का खेल और त्वरित कविता प्रतियोगिताएं।
10. लोकप्रिय स्टैंड अप कलाकार श्री निशांत सूरी द्वारा स्टैंडअप कॉमेडी शो।
11. ओपन माइक।
12. कवि सम्मेलन
13. इसके अलावा, कई ऑनलाइन कार्यक्रम है जैसे: कैली-डोस्कोप, इमोजी क्रॉसवर्ड, फन-फैक्ट-फिक्ट, द अल्टीमेट बिब्लियोफाइल, मीठा-ओ-उन्माद, फोटोग्राफी प्रतियोगिता इत्यादि।

साभार – टीम आफ़ताब

वर्चस-2022

"वर्चस" भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर का वार्षिक खेल उत्सव है। इसका आयोजन **4** से **6** नवंबर **2022** के दौरान किया गया। यह न केवल खेल-भावना को बढ़ाने में मदद करता है बल्कि खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए टीमों द्वारा किए गए प्रयासों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच भी प्रदान करता है। वर्चस-2022 का आदर्श वाक्य ***विजय***, ***वीरता***, ***ताक़त*** था जिसमें देश भर से **1000** से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया। इस वर्ष क्रिकेट, फुटबॉल, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, कबड्डी, लॉन टेनिस, एथलेटिक्स और शतरंज सहित **11** विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया।

वर्चस ने कई अन्य आयोजन जैसे- "राजस्थान की लय - संगीतमय रात", लोक नृत्य प्रदर्शन, ईडीएम नाइट, सूमो, पीएस-4 और एक्स बॉक्स गेमिंग के साथ-साथ छात्रों के मनोरंजक उद्देश्यों के लिए पेपर डांस इत्यादि का भी आयोजन किया गया। उत्सव की अंतिम शाम में गायिका एवं अभिनेत्री, शर्ली सेतिया ने अपने गानों के अद्भुत प्रदर्शन से सभी को थिरकने के लिए मजबूर कर दिया। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर ने तालिका में 74 अंको के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त करते हुए वर्चस-**22** का खिताब जीता।

संस्थान के छात्रों के साथ-साथ संकाय सदस्यों एवं स्टाफ सदस्यों ने भी विभिन्न कार्यक्रमों में अपनी सहभागिता के साथ भरपूर आनंद उठाया। निदेशक महोदय ने सफल आयोजन के लिए टीम वर्चस को शुभकामनाऐं दी।

साभार: टीम वर्चस

8वां दीक्षांत समारोह

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर ने अपना **8**वां दीक्षांत समारोह **12** नवंबर **2022** को आयोजित किया। दीक्षांत समारोह में संस्थान ने अपने छात्रों को कुल **516** डिग्रियां प्रदान कीं, जिसमें संस्थान विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों जैसे - पीएचडी कार्यक्रम से **16** छात्र, एमबीए से **58,** एमएससी से **101,** एमटेक से **123,** बीटेक से **212** और मास्टर डिग्री से **6** छात्र थे। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्नातक छात्रों और उनके परिवार के सदस्यों ने व्यक्तिगत रूप से भाग लिया। इस अवसर पर शैक्षणिक, सह-पाठयक्रम और पाठ्येतर गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्रों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए।

इस अवसर पर श्री क्रिस गोपालकृष्णन, अध्यक्ष, एक्सिलोर वेंचर्स मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। साथ ही, डॉ. आशीष लेले, निदेशक, सीएसआईआर राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला, पुणे सम्मानित अतिथि के रूप में शामिल हुए। डॉ. आर. चिदंबरम, अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर ने समारोह की अध्यक्षता की।

स्नातक करने वाले छात्रों को बधाई देते हुए प्रो. आर. चिदंबरम ने कहा कि "उज्ज्वल युवा चेहरों को देखना बहुत ऊर्जावान और स्फूर्तिदायक है क्योंकि ये भारत के विकास और विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने के लिए जीवन में आगे बढ़ रहे हैं। हमारे पास भारत को केवल एक विकसित देश ही नहीं, बल्कि एक सुदृढ़ अर्थव्यवस्था बनाने का विजन है। इस विजन को आगे बढ़ाकर और इसे वास्तविकता बनाकर आप एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। साथ ही, हमें उच्च जोखिम वाली, अग्रिम पंक्ति की परियोजनाओं पर ध्यान देना चाहिए। जहां तक इसमें असफलता का मौका है किंतु यह हमें भविष्य में सफल होने के लिए कुछ नया सिखाएगी।"

मुख्य अतिथि श्री क्रिस गोपालकृष्णन ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, "मैं इस अवसर पर सभी स्नातक छात्रों और उनके परिवारों को बधाई देता हूं। लचीलापन एक गुण है जो हम में से प्रत्येक को जीवन के सभी पहलुओं के लिए अपनाना चाहिए। मेरा मानना है कि कोविड ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी में हमारा विश्वास बढ़ाया है और भारत विकास के नए मॉडल बनाने के लिए दुनिया की प्रयोगशाला बन सकता है। सभी युवा इंजीनियरों को उन कंपनियों की पहचान करनी चाहिए जो विघटनकारी तकनीकों या व्यवसाय मॉडल को बनाने के लिए काम कर रही हैं। और आप उनके साथ काम करें तथा श्रेष्ठ भारत बनाने के लिए इन व्यवसायों को बेहतर तरीके से शुरू करें। मैं आप सभी के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं।"

भारत के शीर्ष वैज्ञानिकों में से एक और कार्यक्रम के सम्मानित अतिथि डॉ. आशीष लेले ने छात्रों को बधाई दी और कहा कि स्नातक छात्रों के लिए शानदार अवसर उपलब्ध हैं। भारत सरकार द्वारा निर्धारित 5 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने में आईटी क्षेत्र में हो रहा उच्च विकास अत्यधिक मदद करेगा। भारतीय आईटी उद्योग का उच्च विकास परिदृश्य स्नातक छात्रों को अगले 30 वर्षों में संयुक्त राज्य अमेरिका को बदलकर देश को सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में सर्वोच्च शक्ति बनाने का एक शानदार अवसर प्रदान करने में मददगार साबित होगा। मेरा दृढ़ विश्वास है कि आईटी भारत का भविष्य है। आज, दुनिया की शीर्ष 10 आईटी कंपनियों में से 50 प्रतिशत भारत में स्थित हैं। हम एक मजबूत उद्यमशीलता और स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र विकसित कर रहे हैं जो आईटी में देश को दुनिया में अग्रणी बनाने में मदद करेगा। मैं अनुशंसा करता हूं कि आप सभी उस मार्ग का अनुसरण करें जिसका मैंने अनुसरण किया। इस देश ने आपको बहुत कुछ दिया है और आपको भारतीय समस्याओं का तकनीकी समाधान खोजकर इसे वापस देना चाहिए।

इस अवसर पर बोलते हुए, संस्थान के निदेशक प्रोफेसर शांतनु चौधुरी ने कहा कि स्नातक आईआईटीयन्स को भारतीय समाज में जटिल और लंबे समय से लंबित समस्याओं के अभिनव समाधान खोजने के लिए काम करना चाहिए। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा: "हमारे पाठ्यक्रम - विशेषीकृत, अंतःविषयक, बहु-विषयक और अंतःविषयक हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप, हमारा प्रौद्योगिकी-केंद्रित और विशिष्ट रूप से तैयार पाठ्यक्रम स्नातक कक्षाओं को पारंपरिक भागों की बाधाओं को पार करने और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के परस्पर क्रिया में उत्कृष्टता प्राप्त करने में मदद करेगा।

साभार- शैक्षणिक कार्यालय

गांधी जयंती समारोह 2022

संस्थान में प्रतिवर्ष की भांति इस साल भी 02 अक्टूबर के दिन गांधी जयंती समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अतिथि वार्ता के लिए प्रो. कमल नयन को आमंत्रित किया गया था। प्रोफेसर कमल नयन वरिष्ठ सलाहकार, गांधीवादी संस्थान और राजस्थान कॉलेज शिक्षा से सेवानिवृत्त प्राचार्य हैं। इस अवसर पर गांधी जी की सत्य, अहिंसा और स्वच्छता को आत्मसात करने का प्रण किया गया।

प्रो. नयन ने बताया कि मोहनदास करमचंद गांधीजी के जीवन और उनके जीवन ने किस प्रकार दुनिया को प्रभावित किया। उन्होंने गांधीजी के जीवन से जुड़ी विभिन्न घटनाओं के बारे में भी बात की, जिसने विभिन्न विपरित परिस्थितियों के होते हुए भी दुनिया को धर्मी होने की सीख दी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर समुदाय के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से इस चर्चा में भाग लेते हुए इसे सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

साभार – डॉ. आकांक्षा चौधरी

संविधान दिवस समारोह 2022

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर ने **26** नवंबर **1949** को भारत द्वारा संविधान को लागू करने के उपलक्ष में **26** नवंबर **2022** को संविधान दिवस के रूप में मनाया। इस कार्यक्रम में लगभग **200** छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों ने भाग लिया । कार्यक्रम की शुरुआत संविधान की प्रस्तावना के वाचन के साथ हुई।

माननीय न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई, राजस्थान उच्च न्यायालय को इस कार्यक्रम के उपलक्ष में अतिथि वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया । न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई राजस्थान उच्च न्यायालय में पीठासीन न्यायाधीश हैं । उन्हें संवैधानिक कानून, आपराधिक कानून और चुनाव कानून में विशेषज्ञता हासिल है । अतिथि वक्ता ने बताया कि वर्षों के विचार-विमर्श और दुनिया के विभिन्न संविधानों को देखने के बाद भारत के संविधान को कैसे विकसित किया गया । उन्होंने इसे अपनाने और इसकी विशिष्टता के बारे में बात की । उन्होंने बहुत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया कि कैसे भारत का संविधान सबसे लंबे लिखित संविधानों में से एक है, जो कई स्रोतों से तैयार किया गया है, कठोरता और लचीलेपन का एक आदर्श मिश्रण है। बातचीत के बाद आईआईटी जोधपुर समुदाय के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के साथ एक संवादात्मक सत्र का आयोजन किया गया ।

संस्थान के उपनिदेशक प्रो. संपत राज वडेरा ने न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई का स्वागत किया तथा संविधान की विशिष्टताओं पर प्रकाश डालने एवं अपना अमूल्य समय देने के लिए धन्यवाद दिया ।

साभार – डॉ. आकांक्षा चौधरी

जनजातीय गौरव दिवस

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत क्लब' ने **15** नवंबर **2022** को जनजातीय गौरव दिवस मनाने के लिए एक संगोष्ठी का आयोजन किया । संगोष्ठी का विषय बिरसा मुंडा जैसे आदिवासी नेताओं की विरासत और हमारे देश के जनजाति समुदायों के अनसुने नायकों के बारे में अवगत कराना था । कार्यक्रम का समापन निम्नलिखित सुंदर कविता के साथ हुआ-

नागपुर पठार का वासी वो, जल जंगल जमीन पर बसता था
कर उलगुलान का आगाज वो, ब्रिटिश सरकार से लड़ा था ।।
माँ भारती की स्वतंत्रता के लिए, हर बलिदान देने चला था
जनजातीय का गौरव वो तो, भगवान बिरसा मुंडा था ।।
अकाल पीड़ित जनता की उसने, रक्षा करने की ठानी थी
मुंडाओं की संगठित चेतना, ये उसकी निशानी थी ।।
हजारी बाग का कारागार, तांगा नदी पर हुआ वार, सब से लड़ने की ठानी थी
25 वर्षीय उस युवा की कितनी अनसुनी कहानी थी ।।
देश का युवा, देश के लिए लड़ा, देश के लिए शहीद हो गया,
दे गया साहस, हिम्मत और कुर्बानी, और धरती आबा बन गया ।।
आज जनजाति गौरव दिवस पर, हर उन हीरो को याद करें,
आदिवासियत का कवच हैं जो, जो प्रकृति और संस्कृति के लिए लड़े ।।
यही हैं हमारा एक भारत, यहीं है इसकी श्रेष्ठता
जहां बिरसा मुंडा जन्म लिए, और भगवान बन के चल दिए

प्रस्तुति - कंचन झा

डीआरडीओ-उद्योग-अकादमिक उत्कृष्टता केंद्र हेतु समझौता ज्ञापन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर ने 20 अक्टूबर 2022 को संस्थान में डीआरडीओ (***DRDO***)-उद्योग-अकादमिक उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना के लिए रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। एमओयू का आदान-प्रदान भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जी की उपस्थिति में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के निदेशक और डीआरडीओ, सचिव के बीच किया गया।

डीआरडीओ के साथ आईआईटी जोधपुर के सहयोग के बारे में बात करते हुए, प्रो. शांतनु चौधुरी ने कहा, "एमओयू डीआरडीओ, आईआईटी जोधपुर और उद्योगों के बीच गठबंधन बनाने का एक बहुत ही महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है ताकि भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रौद्योगिकी विकसित की जा सके। प्रौद्योगिकियां आधुनिक दुनिया के युद्धक्षेत्र की व्यावहारिक जरूरतों से पूरी तरह से संचालित करने हेतु न केवल आज, बल्कि भविष्य की प्रौद्योगिकियों के विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए भी हैं।

आईआईटी जोधपुर में डीआरडीओ द्वारा वित्त पोषण के साथ स्थापित किया जाने वाला यह उत्कृष्टता केंद्र दोनों निकायों द्वारा संयुक्त रूप से पहचाने गए कार्यक्षेत्रों में निर्देशित अनुसंधान करेगा। अनुसंधान डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं के साथ-साथ उद्योग और अन्य शैक्षणिक/अनुसंधान संस्थानों के सहयोग से आईआईटी जोधपुर के संकाय सदस्यों और छात्रों द्वारा किया जाएगा।

उत्कृष्टता केंद्र संयुक्त रूप से निम्नलिखित कार्यक्षेत्रों में निर्देशित अनुसंधान को आगे बढ़ाएगा:
1. डेजर्ट वारफेयर टेक्नोलॉजीज, 2. फ्यूचरिस्टिक ओमनी मोबिलिटी सिस्टम, और 3. आर्टिफिसियल इंटेलीजेंस फॉर इंफोर्मेशन और वॉरगेमिंग टेक्नोलॉजी

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के पास स्वदेशी और अनूठी तकनीकों को विकसित करने के लिए कई डोमेन में विशेषज्ञता प्राप्त है जैसे कि रेगिस्तान संचालन के लिए तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑगमेंटेड रियलिटी, वर्चुअल रियलिटी, मोबेलिटी और रोबोटिक्स , जो विभिन्न रणनीतिक और युद्ध क्षेत्रों से सीधे संबंधित हैं जो युद्ध और भविष्य की स्वायत्त सर्वव्यापी गतिशीलता प्रणाली जो भूमि, वायु और जल जैसे कई इलाकों में काम करने में सक्षम है। इसी ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर को डीआरडीओ के लिए उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के लिए एक उपयुक्त विकल्प प्रदान किया।

नवीन अनुगम

01.10.2022 से 30.11.2022 की अवधि के अंतर्गत संस्थान में कार्यभार ग्रहण करने वाले संकाय सदस्यों एवं स्टाफ सदस्यों की सूची

पी.एफ. सं.	नाम (डॉ, सुश्री, श्री, श्रीमती)	पदनाम	विभाग / कार्यालय	सेवारंभ तिथि
394	भूपेंद्र रेनीवाल	सहायक प्रोफेसर ग्रेड-I	विद्युत अभियांत्रिकी	18.10.2022
395	हिशिकेश	सहायक प्रोफेसर ग्रेड- II	यांत्रिक अभियांत्रिकी	19.10.2022
0392	करुणामय माजी	ईआरपी प्रबंधक	कंप्यूटर केंद्र	12.10.2022
0393	हबीबुल्ला गौरी	कनिष्ठ तकनीकी सहायक	कंप्यूटर केंद्र	14.10.2022
0396	सोहन लाल सुथार	कनिष्ठ अभियन्ता	अवसंरचना अभियांत्रिकी	28.11.2022

विविधता में एकता

नमस्कार, प्रणाम, सत श्री अकाल, नोमोशकर, वणक्कम, खम्मा घणी, केम छो, छिबाई, ताशी डेलेक। परिसर में भाषा विविधता को देखते हुए आईआईटी जोधपुर में आपका स्वागत इस तरह किया जा सकता है। हम 16 भाषाएँ बोल सकते हैं, 12 भाषाएँ लिख सकते हैं, 20 भाषाएँ समझ सकते हैं। अंग्रेजी और हिंदी के अलावा, अन्य भाषाओं में उर्दू, तेलुगु, राजस्थानी, तमिल, संस्कृत, पंजाबी, उड़िया, मराठी, मलयालम, मैथिली, असमिया, डोगरी, बंगाली, गुजराती, नेपाली, कोंकणी, सिंधी, संताली, कन्नड़ शामिल हैं।

अन्य गतिविधियां

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के निदेशक ने 500 से ज्यादा पूर्व स्नातक के छात्रों का "ग्रेजुएट ओरिएंटेशन कार्यक्रम" के दौरान स्वागत किया। उन्होंने संस्थान के व्यापक अवसरों पर प्रकाश डालते हुए, छात्रों से उनकी रुचि के अनुसार पाठ्यक्रम/विषयों का चयन करने का सुझाव दिया।
- इंटर डिसिप्लिनरी रिसर्च प्रोग्राम-डिजिटल ह्यूमैनिटीज के अंतर्गत प्रोफेसर सारा केंडरडाइन (डिजिटल म्यूजियोलॉजी के प्रोफेसर, इकोले पॉलीटेक्निक फेडेरेल डी लॉज़ेन (ईपीएफएल), स्विट्जरलैंड; एडजंक्ट प्रोफेसर, डिजिटल ह्यूमैनिटीज-आईडीआरपी, आईआईटी जोधपुर) द्वारा 15 नवंबर 2022 को ऑनलाइन आमंत्रित व्याख्यान आयोजित किया गया। वार्ता का शीर्षक था "न्यू रिसर्च इन कम्प्यूटेशनल म्यूजियोलॉजी, लेबोरेटरी फॉर एक्सपेरिमेंटल म्यूजियोलॉजी 2022"।
- संस्थान में 18 नवंबर 2022 को आनंद मेला का आयोजन "शामियाना- द इंस्टीट्यूट कैफे" में किया गया जिसमें संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों द्वारा रात्रि भोज हेतु घर का भोजन तैयार किया गया। जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर द्वारा प्रकाशित
सर्वाधिकार सुरक्षित © 2022
प्रबंध सम्पादक
डॉ. श्रीमती क्षेमा प्रकाश, उपपुस्तकालयाध्यक्षा

प्रकाशन एवं अनुवाद सहायता
श्री अशोक गहलोत
संपर्क
हिंदी कार्यालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर
राष्ट्रीय राजमार्ग 62, नागौर रोड, करवड,
जोधपुर 342030